Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
30 December

Quote of the Day

Result Mitra

बड़े लक्ष्य अचानक पूरे नहीं होते हैं।
छोटे-छोटे प्रयास
लंबे समय तक करने पड़ते हैं,
तब बड़ा लक्ष्य पूरा होता है।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

- सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वां संस्करण भारत और नेपाल के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है, जिसे "सूर्यकिरण" नाम दिया गया है।
- यह अभ्यास भारत और नेपाल के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने, सैन्य समन्वय को मजबूत करने और दोनों देशों के सशस्त्र बलों की आपसी समझ को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

प्रमुख बिंदु:

1. सूर्य किरण अभ्यास का उद्देश्य

- जंगल में युद्ध, पहाड़ों में आतंकवाद विरोधी अभियानों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अंतर्गत मानवीय सहायता और आपदा राहत में अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

प्रमुख बिंदु:

1. सूर्य किरण अभ्यास का उद्देश्य

- अभ्यास में परिचालन तैयारियों, विमानन पहलुओं, चिकित्सा प्रशिक्षण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- इन गतिविधियों के माध्यम से, सैनिक अपनी परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएंगे, अपने युद्ध कौशल को निखारेंगे और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक साथ काम करने के लिए अपने समन्वय को मजबूत करेंगे।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

प्रमुख बिंदु:

2. अभ्यास स्थल और तारीखें:

- सूर्यकिरण का 18वां संस्करण नेपाल के सलझंडी (बांके जिला) में आयोजित किया गया।
- यह अभ्यास 31 दिसंबर 2024 से 13 जनवरी 2025 तक नेपाल के सलझंडी में आयोजित किया जाएगा।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

प्रमुख बिंदु:

3. भाग लेने वाले सैनिक:

- भारतीय सेना और नेपाली सेना के लगभग 1200 सैनिकों ने इस अभ्यास में भाग लिया।
- दोनों सेनाओं ने सामरिक कौशल, युद्ध अभ्यास और मानवीय सहायता व आपदा राहत (Humanitarian Assistance and Disaster Relief - HADR) अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

प्रमुख बिंदु:

4. प्रमुख गतिविधियाँ:

- संयुक्त युद्धाभ्यास (Joint Military Training)।
- जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन।
- मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन की रणनीतियाँ।
- बुनियादी चिकित्सा सहायता और राहत कार्यों में सहयोग।
- सैनिकों के बीच सांस्कृतिक और खेल गतिविधियाँ।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

प्रमुख बिंदु:

5. महत्व:

- दोनों देशों के बीच सैन्य और रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देता है।
- सीमा पर शांति बनाए रखने में मदद करता है।
- प्राकृतिक आपदाओं और संकट के समय संयुक्त राहत अभियानों में मददगार है।
- भारत-नेपाल के बीच "रोटी-बेटी का रिश्ता" और घनिष्ठ मित्रता को मजबूत करता है।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

प्रमुख बिंदु:

6. पृष्ठभूमि:

- सूर्यकिरण अभ्यास की शुरुआत 2011 में हुई थी।
- यह अभ्यास बारी-बारी से भारत और नेपाल में आयोजित किया जाता है।
- यह दक्षिण एशिया में सैन्य सहयोग के उदाहरणों में से एक है।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

18वें संस्करण की खास बातें

- इस संस्करण में विशेष रुप से आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता को प्राथमिकता दी गई, क्योंकि दोनों देश भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित रहे हैं।
- इसके अलावा, सैनिकों ने अत्याधुनिक हथियारों और रणनीतियों के साथ काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन का अभ्यास किया।

सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 18वा संस्करण

Result Mitra

निष्कर्ष:

- सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण न केवल भारत और नेपाल के बीच सैन्य संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देता है। यह अभ्यास क्षेत्रीय शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

Result Mitra

प्रश्न: सैन्य अभ्यास "सूर्यकिरण" का 18वां संस्करण भारत और किस देश के बीच आयोजित किया गया?

A भूटान

B नेपाल

C श्रीलंका

D बांग्लादेश

Result Mitra

आगरा हम्माम चर्चा में

आगरा हम्माम - चर्चा में

Result Mitra

चर्चा में

- आगरा हम्माम हाल ही में चर्चा में आया है क्योंकि यह भारतीय इतिहास और स्थापत्य कला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो मुगल काल की समृद्ध संस्कृति और जीवनशैली को दर्शाता है। इसे हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित और बहाल किया गया है।

ASI - आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया

हम्माम का शाब्दिक अर्थ होगा ही स्नानागार

आगरा हम्माम का परिचय

- हम्माम (Hammam) का शाब्दिक अर्थ है "स्नानागार"। यह एक ऐसी संरचना है जिसका उपयोग मुगलकालीन समाज में स्नान और विश्राम के लिए किया जाता था।
- आगरा हम्माम मुगल स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसे विशेष रूप से शाही परिवार और महत्वपूर्ण व्यक्तियों के उपयोग के लिए बनाया गया था।
- यह आगरा के किले के भीतर स्थित है, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) है।

आगरा हम्माम का परिचय

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- आगरा हम्माम का निर्माण मुगल सम्राट अकबर (1556-1605) के शासनकाल में किया गया था।
- यह एक मुगल बाथ हाउस था, जिसका उपयोग मुख्य रूप से शाही परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता था।
- मुगल काल में हम्माम का उपयोग केवल स्नान के लिए ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सामाजिक मेलजोल के स्थान के रूप में भी किया जाता था।

Result Mitra

आगरा हम्माम का परिचय

स्थापत्य विशेषताएँ

1. डिजाइन और संरचना:

हम्माम में तीन मुख्य कमरे होते हैं:

1. गर्म स्नानागार (Hot Bathing Area)
2. ठंडा स्नानागार (Cold Bathing Area)
3. मध्य क्षेत्र (Resting and Changing Room)

यह एक विशिष्ट मुगल शैली की संरचना है, जिसमें गुंबदनुमा छतें, सजावटी मेहराबें, और पच्चीकारी कला का प्रयोग किया गया है।

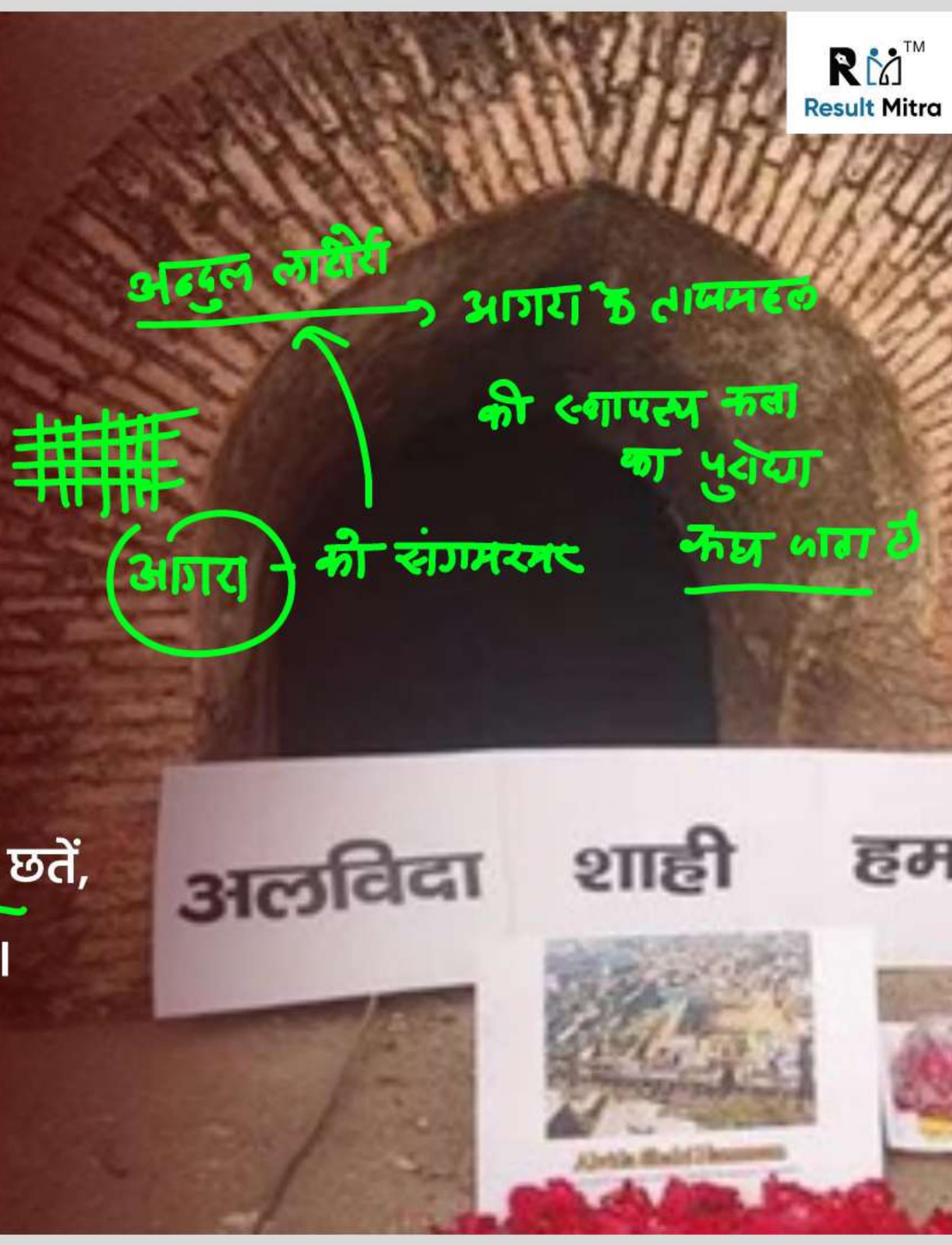

आगरा हम्माम का परिचय

स्थापत्य विशेषताएँ

2. जल प्रबंधन:

- हम्माम में जल को गर्म करने और तापमान बनाए रखने के लिए एक विशेष हाइड्रोलिक सिस्टम (Hydraulic System) था।
- फर्श के नीचे और दीवारों में पाइपलाइन बनाई गई थी, जो जल को गर्म करने और सर्दी-गर्मी के लिए अनुकूल तापमान बनाए रखने में सहायक थी।

Result Mitra

आगरा हम्माम का परिचय

स्थापत्य विशेषताएँ

3. सजावट:

- दीवारों और छतों पर मुगल पेंटिंग्स, संगमरमर इनले (Marble Inlay) और फूलों के डिजाइन उकेरे गए हैं।
- रंगीन टाइलों और जटिल नक्काशी का उपयोग इसे अद्वितीय बनाता है।

Result Mitra

आगरा हम्माम का परिचय

स्थापत्य विशेषताएँ

4. प्रकाश और वेंटिलेशन:

- प्राकृतिक प्रकाश और हवा के लिए जालीदार खिड़कियाँ और गुंबदों में रोशनदान बनाए गए थे।

Result Mitra

आगरा हम्माम का परिचय

हम्माम का महत्व

1. सांस्कृतिक महत्व:

- हम्माम केवल स्नान के स्थान नहीं थे, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र भी था।
- यहां शाही परिवार के सदस्य आपसी संवाद करते थे और महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जाते थे।

Result Mitra

आगरा हम्माम का परिचय

हम्माम का महत्व

2. स्वास्थ्य और चिकित्सा:
   - हम्माम में हर्बल पानी और भाप स्नान का उपयोग किया जाता था, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद था।
3. मुगल स्थापत्य कला का उदाहरण:
   - आगरा हम्माम मुगल वास्तुकला की इंजीनियरिंग और कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।

आगरा हम्माम का परिचय

चर्चा में क्यों है?

1. संरक्षण प्रयास:

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने आगरा हम्माम को बहाल करने और संरक्षित करने के लिए हाल ही में एक परियोजना पूरी की है।
- संरक्षण के दौरान, इसकी मूल संरचना और डिजाइनों को बचाने का प्रयास किया गया।

आगरा हम्माम का परिचय

चर्चा में क्यों है?

2. पर्यटन और शोध:

- यह स्थल अब पर्यटन और ऐतिहासिक शोध के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है।
- मुगलकालीन जीवनशैली और सांस्कृतिक धरोहर को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण स्थान है।

Result Mitra

आगरा हम्माम का परिचय

चर्चा में क्यों है?

3. मुगल स्थापत्य की प्रासंगिकता:

- आगरा हम्माम भारत के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और वास्तुकला की प्रगति का प्रतीक है, जो वर्तमान में अध्ययन और संरक्षण के लिए एक प्रेरणा स्रोत है।

Result Mitra

आगरा हम्माम का परिचय

निष्कर्ष

- आगरा हम्माम न केवल मुगल युग की तकनीकी और कलात्मक दक्षता को दर्शाता है, बल्कि यह भारतीय सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न हिस्सा भी है।
- इसका संरक्षण और पुनरुद्धार आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायक कदम है और यह हमें इतिहास की गहराई में झांकने का अवसर देता है।

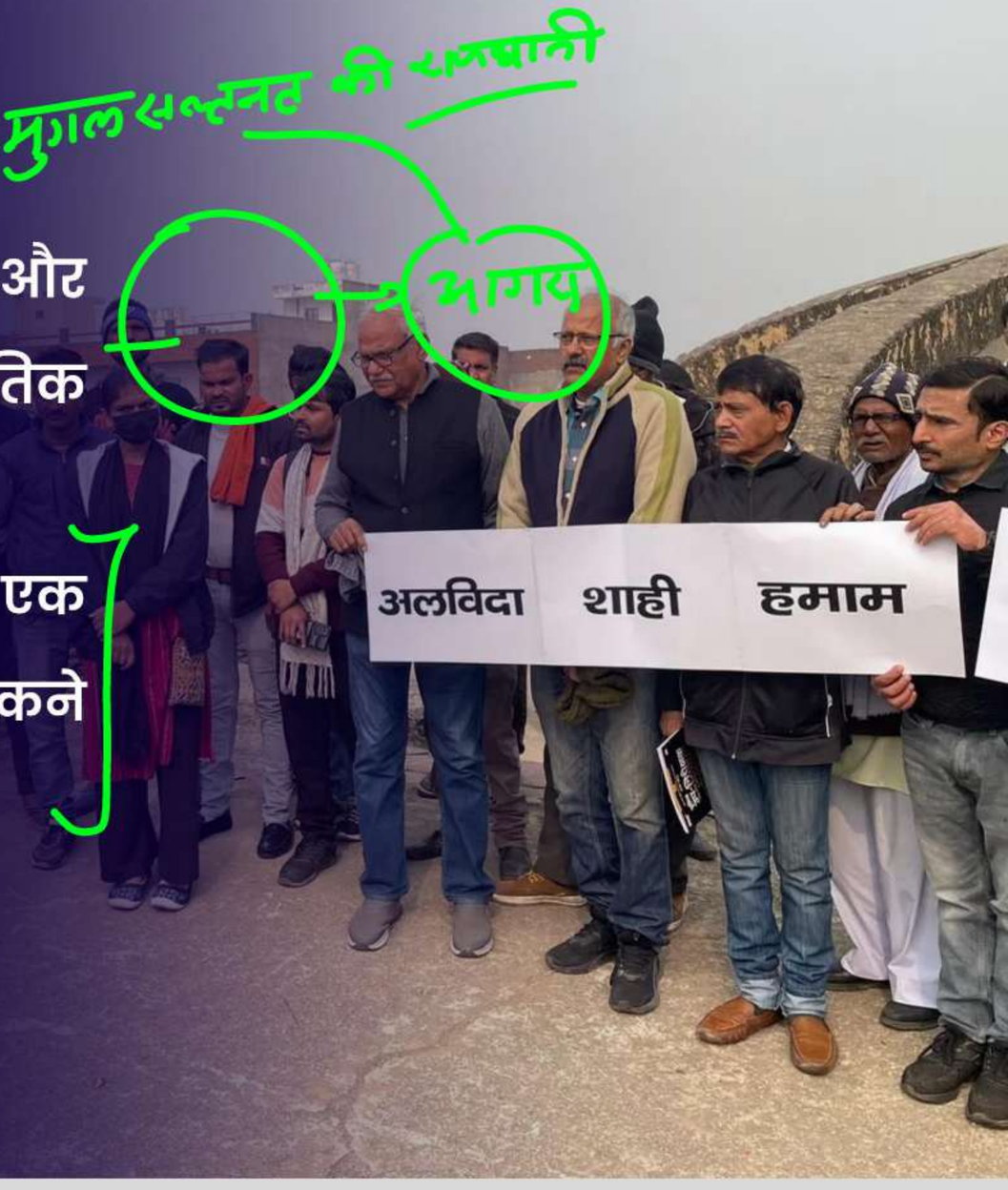

Result Mitra

प्रश्न: "आगरा हम्माम" हाल ही में चर्चा में क्यों था?

A यह एक ऐतिहासिक स्थल है जिसे UNESCO विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

B इसे भारत में एक नया पर्यटन स्थल घोषित किया गया है।

C यह भारत का पहला सार्वजनिक बाथहाउस है जिसे फिर से खोला गया है।

D यह भारत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा परियोजना स्थल बन गया है।

QUIZ

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

Result Mitra

चर्चा में

- राज्यपाल का पद भारतीय संविधान के तहत एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है। यह राज्य की कार्यकारी शाखा का प्रमुख होता है और इसे केंद्र तथा राज्य के बीच एक कड़ी के रूप में माना जाता है।
- हालांकि, यह पद पिछले कुछ वर्षों से विवादों और चिंताओं का केंद्र रहा है।

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

राज्यपाल का पद:

1. संवैधानिक प्रावधान (Constitutional Provisions):

- राज्यपाल का पद भारतीय संविधान के अनुच्छेद 153-162 के तहत स्थापित किया गया है।
- राज्यपाल राज्य का कार्यकारी प्रमुख होता है, लेकिन यह एक नाममात्र का पद है, क्योंकि वास्तविक कार्यकारी शक्तियाँ मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद में निहित होती हैं।

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

राज्यपाल का पद:

2. नियुक्ति (Appointment):

- राज्यपाल को भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- राज्यपाल का कार्यकाल 5 वर्षों का होता है, लेकिन यह राष्ट्रपति के "आनंद" पर निर्भर करता है, यानी राष्ट्रपति चाहे तो कार्यकाल पूरा होने से पहले भी हटा सकते हैं।

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

राज्यपाल का पद:

3. पात्रता (Eligibility):

- वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
- उसकी उम्र कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
- वह राज्य का निवासी होना आवश्यक नहीं है।

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

Result Mitra

राज्यपाल का पद:

4. कार्य और शक्तियाँ:

(a) कार्यकारी शक्तियाँ:

- मुख्यमंत्री और मंत्रियों की नियुक्ति।
- विधायिका के सत्र को बुलाना और भंग करना।
- राज्य के प्रशासन की देखरेख करना।

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

Result Mitra

राज्यपाल का पद:

4. कार्य और शक्तियाँ:

(b) विधायी शक्तियाँ:

- राज्य विधानमंडल के विधेयकों को स्वीकृति देना या आरक्षित करना।
- अध्यादेश जारी करना (अनुच्छेद 213)।

राज्यपाल का पद व संबंधित चिंताएँ

राज्यपाल का पद:

4. कार्य और शक्तियाँ:

(c) न्यायिक शक्तियाँ:

- माफी या दंड को क्षमा करना (अनुच्छेद 161)।

(d) विशेष जिम्मेदारियाँ:

- संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत कुछ राज्यों में विशेष प्रशासनिक शक्तियाँ।

Result Mitra

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

हाल के वर्षों में, राज्यपाल का पद विभिन्न विवादों में रहा है। इनमें प्रमुख चिंताएँ निम्नलिखित हैं:

1. राजनीतिक पक्षपात का आरोप (Allegation of Political Bias):
   - राज्यपाल के पद का उपयोग अक्सर केंद्र सरकार द्वारा अपने राजनीतिक हित साधने के लिए किया जाता है।
   - उदाहरण: राज्यपालों पर विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने के आरोप लगते रहे हैं।
   - महाराष्ट्र (2022) और पश्चिम बंगाल के हालिया घटनाक्रम इसका उदाहरण हैं।

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

2. राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया (Appointment Process):

- **राज्यपाल की नियुक्ति में पारदर्शिता की कमी है।**
- **यह आरोप लगता है कि राज्यपालों को केवल उनके राजनीतिक जुड़ाव के आधार पर नियुक्त किया जाता है।**

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

3. मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच टकराव (Conflict Between CM and Governor):

- राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच अधिकारों को लेकर टकराव अक्सर देखने को मिलता है।
- राज्यपाल कभी-कभी मुख्यमंत्री की सलाह को नजरअंदाज करते हैं, जिससे राजनीतिक अस्थिरता पैदा होती है।
- उदाहरण: पश्चिम बंगाल, केरल, और तमिलनाडु में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच मतभेद।

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

4. अध्यादेश जारी करने की शक्ति का दुरुपयोग (Misuse of Ordinance Power):

- राज्यपाल द्वारा अध्यादेश जारी करने की शक्ति का राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग किया जाता है।
- अध्यादेश की शक्ति का उपयोग विधायिका को दरकिनार करने के लिए किया गया है।

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

5. विधेयकों को आरक्षित रखना (Reserving Bills for the President):

- **राज्यपाल अक्सर महत्वपूर्ण विधेयकों को लंबी अवधि के लिए राष्ट्रपति के पास भेज देते हैं, जिससे विधायी प्रक्रिया बाधित होती है।**
- **यह आरोप लगता है कि इस शक्ति का उपयोग राज्य सरकार को कमजोर करने के लिए किया जाता है।**

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

6. कार्यकाल और स्थानांतरण (Tenure and Transfer):

- राज्यपाल का कार्यकाल राष्ट्रपति के "आनंद" पर निर्भर होने के कारण, उन्हें हटाने या स्थानांतरित करने का खतरा रहता है।
- इससे उनकी स्वायत्तता प्रभावित होती है।

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

7. संवैधानिक लोकाचार का उल्लंघन (Violation of Constitutional Morality):

- **राज्यपाल की भूमिका एक निष्पक्ष मध्यस्थ की होनी चाहिए, लेकिन वे कभी-कभी पक्षपातपूर्ण व्यवहार करते हैं।**
- **इसका उदाहरण विधानसभा के सत्र को बुलाने में जानबूझकर देरी करना या असंवैधानिक तरीके से विश्वास प्रस्ताव की सिफारिश करना है।**

Result Mitra

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

संबंधित सुधारों के लिए सुझाव:

1. राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार:
   - राज्यपाल की नियुक्ति को अधिक पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाया जाना चाहिए।
   - एक संविधान आयोग का गठन किया जा सकता है, जो राज्यपाल की नियुक्ति की सिफारिश करे।

Result Mitra

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

संबंधित सुधारों के लिए सुझाव:

2. राजनीतिक हस्तक्षेप को सीमित करना:

- राज्यपाल को केवल संविधान के दायरे में रहते हुए कार्य करना चाहिए।
- केंद्र सरकार को राज्यपाल पद का दुरुपयोग बंद करना चाहिए।

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

संबंधित सुधारों के लिए सुझाव:

3. कार्यकाल की निश्चितता:
   - राज्यपाल के 5 वर्षों के कार्यकाल को सुनिश्चित किया जाना चाहिए, जब तक कि वह संविधान का उल्लंघन न करें।
4. मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच संवाद बढ़ाना:
   - राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच बेहतर संवाद और समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

संबंधित सुधारों के लिए सुझाव:

5. राज्यपाल की शक्तियों की समीक्षा:
   - राज्यपाल की शक्तियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, ताकि उनके अधिकारों का दुरुपयोग न हो।
6. संवैधानिक शिक्षाएँ:
   - राज्यपाल को संविधान के प्रति अधिक प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए और निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए।

राज्यपाल पद से संबंधित चिंताएँ:

निष्कर्ष:

- राज्यपाल का पद भारतीय संघीय ढांचे में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, इसे विवादों से बचाने के लिए आवश्यक है कि राज्यपाल अपनी संवैधानिक सीमाओं का पालन करें और केंद्र सरकार इस पद का राजनीतिकरण न करे।
- पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देकर राज्यपाल के पद को लोकतंत्र के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

Result Mitra

प्रश्न: राज्यपाल के पद से संबंधित निम्नलिखित में से कौन सी चिंता सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है?

A राज्यपाल का राजनीतिक पक्षपाती होना

B राज्यपाल का न्यायिक अधिकारों का प्रयोग

C राज्यपाल का चुनाव सीधे जनता से होना

D राज्यपाल का सिर्फ एक राज्य में कार्य करना

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

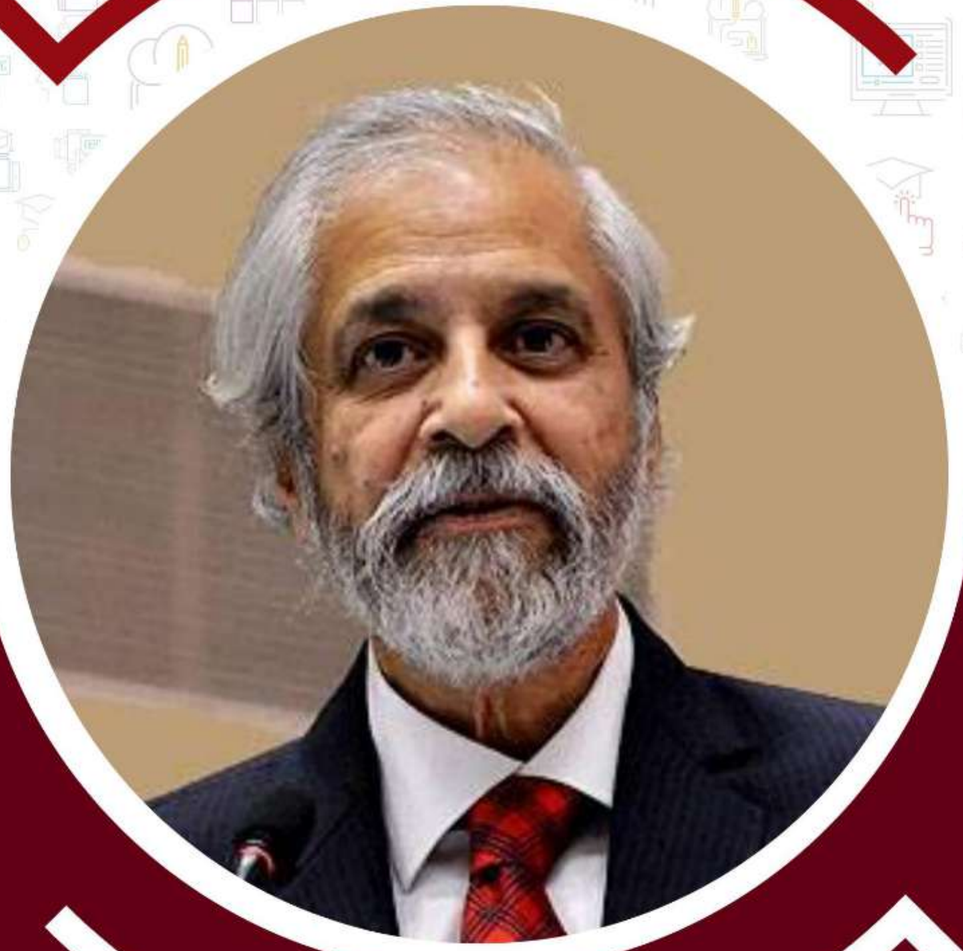

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

चर्चा में

- न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर (Justice Madan B. Lokur) को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र (UN) की आंतरिक न्याय परिषद (Internal Justice Council) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।
- यह भारत के लिए गौरव का विषय है, क्योंकि यह नियुक्ति न्यायपालिका और न्याय प्रणाली में उनके व्यापक अनुभव और निष्पक्षता को दर्शाती है।

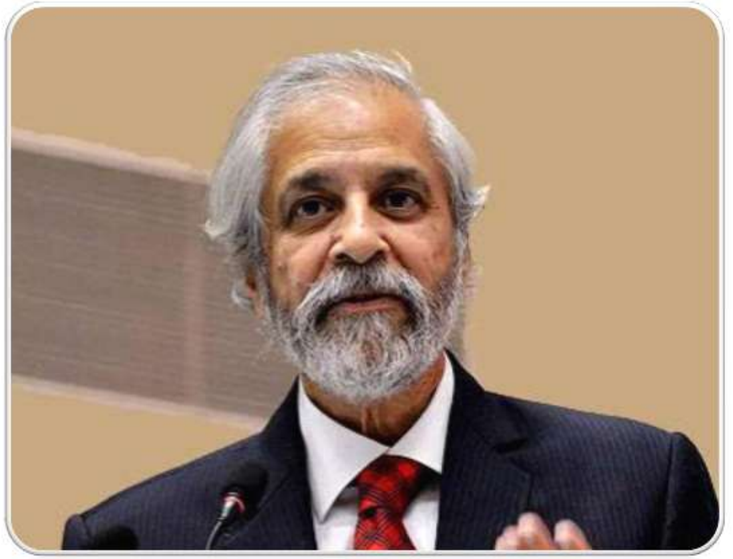

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

आंतरिक न्याय परिषद (Internal Justice Council) क्या है?

1. परिचय:

- संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद (IJC) संयुक्त राष्ट्र की आंतरिक न्याय प्रणाली (Internal Justice System) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र के भीतर कार्मिक विवादों और अनुशासनात्मक मुद्दों को हल करने के लिए की गई थी।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

आंतरिक न्याय परिषद (Internal Justice Council) क्या है?

2. भूमिका और उद्देश्य:

- संयुक्त राष्ट्र में काम करने वाले कर्मचारियों और संगठनों के बीच किसी भी प्रकार के विवादों का निपटारा करना।
- एक स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष न्यायिक प्रणाली को बनाए रखना।
- आंतरिक न्याय प्रणाली के संचालन में सुधार के लिए सिफारिशें देना।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

आंतरिक न्याय परिषद (Internal Justice Council) क्या है?

3. सदस्यता:

- आंतरिक न्याय परिषद में पाँच सदस्य होते हैं।
- ये सदस्य न्यायिक पृष्ठभूमि वाले प्रतिष्ठित व्यक्तित्व होते हैं।
- अध्यक्ष का चयन सदस्यों द्वारा किया जाता है।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

आंतरिक न्याय परिषद (Internal Justice Council) क्या है?

4. महत्व:

- यह परिषद सुनिश्चित करती है कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।
- यह संयुक्त राष्ट्र के भीतर अनुशासन और जिम्मेदारी बनाए रखने में मदद करती है।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

आंतरिक न्याय परिषद (Internal Justice Council) क्या है?

4. महत्व:

- यह परिषद सुनिश्चित करती है कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।
- यह संयुक्त राष्ट्र के भीतर अनुशासन और जिम्मेदारी बनाए रखने में मदद करती है।

न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर का परिचय

1. प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:

- न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर का जन्म 1953 में हुआ था।
- उन्होंने अपनी शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से प्राप्त की।

Result Mitra

न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर का परिचय

2. कैरियर और उपलब्धियाँ:

- उन्होंने अपने करियर की शुरुआत दिल्ली हाई कोर्ट में वकालत से की।
- 2006 में उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया।
- वे सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के न्यायाधीश के रूप में 2012 से 2018 तक कार्यरत रहे।

Result Mitra

न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर का परिचय

3. महत्वपूर्ण योगदान:

- पर्यावरण, मानवाधिकार, और बच्चों के अधिकारों की रक्षा में उनका बड़ा योगदान रहा है।
- उन्होंने राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) और बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मामलों में महत्वपूर्ण फैसले दिए।
- उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण, वन संरक्षण, और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर ऐतिहासिक निर्णय दिए।

न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर का परिचय

4. वैश्विक अनुभव:

- न्यायमूर्ति लोकुर का अंतरराष्ट्रीय न्याय प्रणाली में गहरा अनुभव है।
- वे मानवाधिकारों और पर्यावरणीय न्याय से संबंधित कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यक्रमों में भाग ले चुके हैं।

Result Mitra

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

नियुक्ति के महत्व:

1. भारत के लिए गर्व:

- न्यायमूर्ति लोकुर की नियुक्ति भारत की न्यायिक विशेषज्ञता और वैश्विक न्याय प्रणाली में योगदान को मान्यता देती है।
- यह भारत के लिए एक सम्मान है कि एक भारतीय न्यायाधीश को इस महत्वपूर्ण वैश्विक संगठन का नेतृत्व करने का अवसर मिला है।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

नियुक्ति के महत्व:

2. संयुक्त राष्ट्र की न्याय प्रणाली में सुधार:

- न्यायमूर्ति लोकुर के अनुभव और नेतृत्व से संयुक्त राष्ट्र की आंतरिक न्याय प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता को और बढ़ावा मिलेगा।
- उनकी अध्यक्षता के दौरान विवाद समाधान और अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं में सुधार होने की उम्मीद है।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

नियुक्ति के महत्व:

3. वैश्विक स्तर पर न्यायपालिका में भारत की भूमिका:

- यह नियुक्ति दिखाती है कि भारत की न्यायपालिका को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है।
- यह भारत के न्यायाधीशों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

न्यायमूर्ति लोकुर की प्राथमिकताएँ:

न्यायमूर्ति लोकुर के अध्यक्ष के रूप में निम्नलिखित प्राथमिकताएँ हो सकती हैं:

- 1. संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों के विवादों का त्वरित और निष्पक्ष निपटान।
- 2. न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना।
- 3. संगठन में अनुशासन और नैतिकता को बढ़ावा देना।
- 4. आंतरिक न्याय प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए सुधारात्मक सुझाव देना।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

निष्कर्ष:

- न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर की संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारत की न्यायिक प्रणाली और वैश्विक न्याय व्यवस्था में उसकी साख को रेखांकित करती है।

न्यायमूर्ति मदन लोकुर संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

Result Mitra

निष्कर्ष:

- न्यायमूर्ति लोकुर के नेतृत्व से संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और संगठनों के बीच विवाद निपटान में निष्पक्षता और पारदर्शिता को और बल मिलेगा। उनकी नियुक्ति न केवल भारतीय न्यायपालिका के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर न्यायिक सुधार में एक नया मील का पत्थर साबित हो सकती है।

Result Mitra

प्रश्न: न्यायमूर्ति मदन लोकुर निम्नलिखित में से किस भारतीय उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे हैं?

A दिल्ली उच्च न्यायालय

B मुम्बई उच्च न्यायालय

C कलकत्ता उच्च न्यायालय

D मद्रास उच्च न्यायालय

Result Mitra

मसाली: भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव

मसाली: भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव

Result Mitra

चर्चा में

- मसाली (Masali) भारत के सीमावर्ती इलाकों में स्थित एक छोटा सा गांव है, जिसे हाल ही में "भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव" घोषित किया गया है।
- यह पहल भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता (Energy Self-Sufficiency) और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मसाली: भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव

Result Mitra

चर्चा में

- यह परियोजना गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित मसाली गांव में शुरू की गई है, जो भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित है। इस परियोजना का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना और सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा संकट को हल करना है।

मसाली: भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव

Result Mitra

मसाली: एक परिचय

1. भौगोलिक स्थिति:

- मसाली गांव गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित है।
- यह भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास का एक सीमावर्ती गांव है।

मसाली: भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव

Result Mitra

मसाली: एक परिचय

2. जनसंख्या और बुनियादी ढांचा:

- मसाली एक छोटा और सुदूरवर्ती गांव है, जहां सीमित संसाधन और बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- यहाँ की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन पर आधारित है।

मसाली: भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव

Result Mitra

मसाली: एक परिचय

3. ऊर्जा समस्या:

- सीमावर्ती क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति हमेशा से एक चुनौती रही है।
- सीमित कनेक्टिविटी और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की कमी के कारण इन इलाकों में ऊर्जा संकट आम है।

सौर गांव के रूप में मसाली की स्थापना:

1. परियोजना का उद्देश्य:
   - सीमावर्ती गांवों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना।
   - सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना।
   - ग्रामीण और सीमावर्ती इलाकों में स्थायी विकास को प्रोत्साहित करना।

Result Mitra

सौर गांव के रूप में मसाली की स्थापना:

2. परियोजना का संचालन:

- इस परियोजना को गुजरात सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से लागू किया गया है।
- इस पहल में सौर ऊर्जा के लिए सोलर पैनल, माइक्रो-ग्रिड सिस्टम, और बैटरी स्टोरेज यूनिट लगाए गए हैं।

Result Mitra

सौर गांव के रूप में मसाली की स्थापना:

3. प्रमुख भागीदार:

- इस परियोजना को विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से लागू किया गया है।
- सौर ऊर्जा तकनीक प्रदान करने वाली कंपनियाँ भी इस पहल का हिस्सा हैं।

Result Mitra

मसाली में सौर ऊर्जा प्रणाली की विशेषताएँ:

1. सोलर पैनल इंस्टॉलेशन:
   - गांव के घरों और सार्वजनिक स्थानों पर सोलर पैनल लगाए गए हैं।
   - ये पैनल ग्रीन एनर्जी उत्पन्न करते हैं और गांव को बिजली प्रदान करते हैं।

Result Mitra

मसाली में सौर ऊर्जा प्रणाली की विशेषताएँ:

2. माइक्रो-ग्रिड प्रणाली:

- गांव में एक माइक्रो-ग्रिड स्थापित किया गया है, जो सौर ऊर्जा के वितरण और भंडारण की देखभाल करता है।
- यह ग्रिड सीमावर्ती क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में नियमितता बनाए रखने में मदद करता है।

Result Mitra

मसाली में सौर ऊर्जा प्रणाली की विशेषताएँ:

3. बैटरी स्टोरेज:

- बिजली के भंडारण के लिए उच्च क्षमता वाली बैटरियाँ लगाई गई हैं।
- यह तकनीक रात के समय और खराब मौसम में भी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

Result Mitra

मसाली में सौर ऊर्जा प्रणाली की विशेषताएँ:

4. सौर स्ट्रीट लाइट्स:

- गांव में सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगाई गई हैं, जो सार्वजनिक स्थानों को रोशन करती हैं।
- इससे रात के समय सुरक्षा और आवागमन में सुधार हुआ है।

मसाली में सौर ऊर्जा प्रणाली की विशेषताएँ:

5. कृषि और सिंचाई में सौर ऊर्जा:

- किसानों को सौर ऊर्जा चालित पंप और सिंचाई उपकरण प्रदान किए गए हैं।
- इससे डीजल और अन्य ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम हुई है।

परियोजना के लाभ:

1. ऊर्जा आत्मनिर्भरता:
   - मसाली गांव अब अपनी जरूरतों के लिए पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर निर्भर है।
   - बिजली कटौती की समस्या हल हो गई है।
2. पर्यावरणीय लाभ:
   - सौर ऊर्जा के उपयोग से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आई है।
   - यह पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

Result Mitra

परियोजना के लाभ:

3. आर्थिक लाभ:
   - सौर ऊर्जा ने डीजल और अन्य पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की लागत को कम किया है।
   - किसानों को सौर ऊर्जा उपकरणों के माध्यम से खेती में मदद मिल रही है।
4. सुरक्षा और रणनीतिक लाभ:
   - सीमावर्ती इलाकों में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होने से राष्ट्रीय सुरक्षा में सुधार हुआ है।
   - सोलर लाइट्स और अन्य सुविधाओं ने क्षेत्र की निगरानी और संचालन को मजबूत किया है।

Result Mitra

परियोजना के लाभ:

5. जीवन स्तर में सुधार:

- बेहतर बिजली आपूर्ति से शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार सुविधाओं में सुधार हुआ है।
- सौर ऊर्जा ने गांववासियों के जीवन को अधिक सुलभ और सुविधा जनक बनाया है।

Result Mitra

चुनौतियाँ और समाधान:

चुनौतियाँ:

1. तकनीकी रखरखाव:
   - सोलर पैनल और बैटरियों का नियमित रखरखाव चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
2. प्रारंभिक लागत:
   - सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना की लागत अधिक है।
3. सुरक्षा:
   - सीमावर्ती इलाकों में उपकरणों और संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

Result Mitra

चुनौतियाँ और समाधान:

समाधान:

- तकनीकी विशेषज्ञों की नियुक्ति और स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण।
- सरकारी सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाएँ।
- सौर ऊर्जा प्रणाली की निगरानी और देखरेख के लिए एक समिति का गठन।

Result Mitra

मसाली मॉडल का महत्व और भविष्य:

1. अन्य सीमावर्ती गांवों के लिए मॉडल:
   - मसाली का यह सौर मॉडल भारत के अन्य सीमावर्ती गांवों के लिए एक उदाहरण है।
   - यह पहल देश के अन्य सुदूर क्षेत्रों में भी लागू की जा सकती है।
2. ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत:
   - यह पहल प्रधानमंत्री के "आत्मनिर्भर भारत" और "राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन" के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करती है।

Result Mitra

मसाली मॉडल का महत्व और भविष्य:

3. सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास:

- सीमावर्ती इलाकों का विकास न केवल ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाएगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करेगा।

Result Mitra

निष्कर्ष:

- मसाली का "भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव" बनना एक ऐतिहासिक कदम है। यह पहल न केवल ऊर्जा संकट का समाधान करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा में भी योगदान देती है।
- मसाली मॉडल भारत के सीमावर्ती और सुदूर क्षेत्रों में सतत विकास के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम कर सकता है।

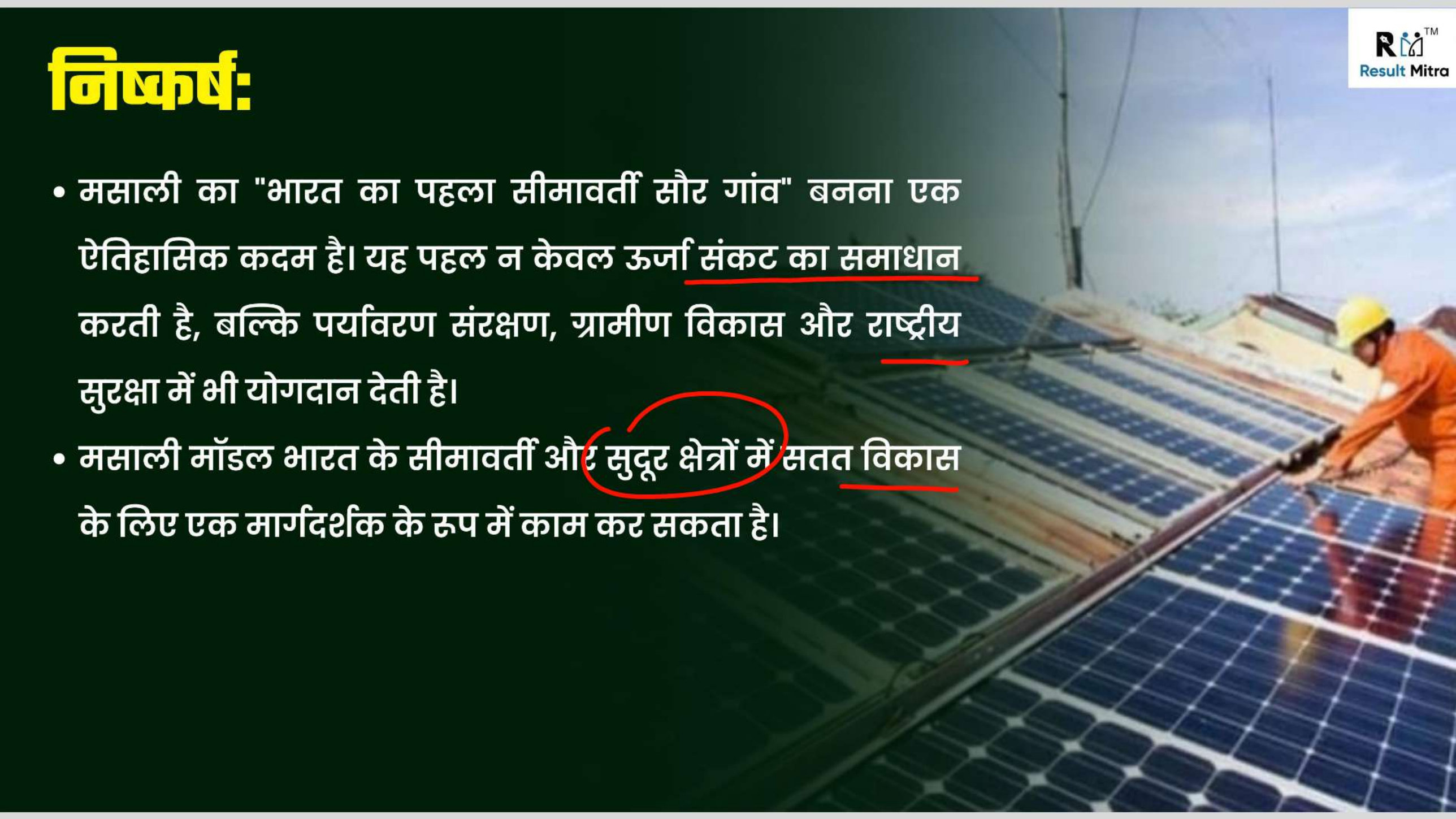

Result Mitra

Result Mitra

प्रश्न: "मसाली" भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव किस राज्य में स्थित है?

A गुजरात

B राजस्थान

C उत्तर प्रदेश

D महाराष्ट्र

QUIZ

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

चर्चा में

- हाल ही में ऐसाके वालु एके' टोंगा ('Aisake Valu Eke) को टोंगा (Tonga) के नए प्रधान मंत्री के रूप में चुना गया। यह चयन टोंगा की राजनीति और शासन व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।
- इस नियुक्ति से टोंगा के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव और स्थिरता की उम्मीद की जा रही है।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

टोंगा: एक संक्षिप्त परिचय

1. भौगोलिक स्थिति:

- टोंगा एक प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप राष्ट्र है।
- यह 170 से अधिक द्वीपों का समूह है, जिनमें से 36 द्वीप आबाद हैं।

टोंगा: एक संक्षिप्त परिचय

2. राजनीतिक व्यवस्था:

- टोंगा एक संवैधानिक राजशाही (Constitutional Monarchy) है।
- देश का प्रमुख राजा (King) होता है, लेकिन प्रशासनिक कार्यों के लिए एक प्रधान मंत्री नियुक्त किया जाता है।

3. महत्वपूर्ण चुनौतियाँ:

- टोंगा को जलवायु परिवर्तन, आर्थिक अस्थिरता, और सीमित संसाधनों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

ऐसाके वालु एके' का परिचय

1. शैक्षणिक पृष्ठभूमि:

- ऐसाके वालु एके' ने उच्च शिक्षा टोंगा और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से प्राप्त की।
- वे अर्थशास्त्र और प्रशासनिक नीतियों में विशेषज्ञता रखते हैं।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

ऐसाके वालु एके' का परिचय

2. राजनीतिक अनुभव:

- ऐसाके वालु एके' लंबे समय से टोंगा की राजनीति में सक्रिय रहे हैं।
- वे टोंगा सरकार में वित्त मंत्री (Finance Minister) के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।
- उनके नेतृत्व में कई आर्थिक और सामाजिक सुधार लागू किए गए।

ऐसाके वालु एके' का परिचय

3. राजनीतिक दृष्टिकोण:

- वे सुधारवादी (Reformist) नेता माने जाते हैं।
- उनकी नीतियाँ देश के आर्थिक और सामाजिक विकास पर केंद्रित हैं।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

प्रधान मंत्री के रूप में चयन

1. चुनाव प्रक्रिया:

- टोंगा में प्रधान मंत्री का चुनाव संसद (Legislative Assembly) द्वारा किया जाता है।
- संसद में वोटिंग के जरिए नए प्रधान मंत्री का चयन किया गया।
- ऐसाके वालु एके' को बहुमत का समर्थन मिला।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

प्रधान मंत्री के रूप में चयन

2. कार्यभार ग्रहण:

- ऐसाके वालु एके' ने औपचारिक रूप से प्रधान मंत्री का पदभार ग्रहण किया।
- राजा तुपौ VI (King Tupou VI) ने उन्हें आधिकारिक रूप से नियुक्त किया।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

प्रधान मंत्री के रूप में चयन

3. चुनाव के बाद के लक्ष्य:

- देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना।
- जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए नई नीतियाँ लागू करना।
- शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

चुनौतियाँ और प्राथमिकताएँ

1. जलवायु परिवर्तन:

- टोंगा एक निम्न-ऊँचाई वाला द्वीप राष्ट्र है, जो समुद्र स्तर में वृद्धि और चक्रवातों से प्रभावित होता है।
- ऐसाके वालु एके' ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की प्राथमिकता दी है।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

चुनौतियाँ और प्राथमिकताएँ

2. आर्थिक सुधार:

- टोंगा की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, मत्स्य पालन, और पर्यटन पर निर्भर है।
- नए प्रधान मंत्री का ध्यान रोजगार सृजन और विदेशी निवेश आकर्षित करने पर होगा।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

चुनौतियाँ और प्राथमिकताएँ

3. स्वास्थ्य और शिक्षा:

- देश में स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा के स्तर में सुधार उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।
- उन्होंने सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने का वादा किया है।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

चुनौतियाँ और प्राथमिकताएँ

4. आप्रवास और प्रवासन:

- टोंगा की बड़ी आबादी प्रवासी श्रमिकों के रूप में विदेशों में कार्यरत है।
- नए प्रधान मंत्री का ध्यान इन प्रवासियों के लिए बेहतर नीतियाँ लागू करने पर होगा।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

ऐसाके वालु एके' की प्राथमिकताएँ:

1. स्थिरता और विकास:

- वे टोंगा में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास सुनिश्चित करने पर जोर देंगे।

2. आर्थिक विविधीकरण:

- कृषि और मत्स्य पालन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ नए क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

ऐसाके वालु एके' की प्राथमिकताएँ:

3. अंतरराष्ट्रीय संबंध:

- प्रशांत क्षेत्र में टोंगा की भूमिका को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बढ़ावा देना।

4. स्थायी विकास:

- जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों और नीतियों को बढ़ावा देना।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

निष्कर्ष

- ऐसाके वालु एके' का टोंगा के प्रधान मंत्री के रूप में चयन देश के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उनके अनुभव और सुधारवादी दृष्टिकोण से टोंगा को सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

ऐसाके वालु एके' टोंगा ने नए प्रधान मंत्री चुने गए

Result Mitra

निष्कर्ष

- साथ ही, उनका नेतृत्व टोंगा के अंतरराष्ट्रीय सहयोग और स्थायी विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगा। यह नई सरकार टोंगा के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और देश को एक स्थिर और प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

Result Mitra

प्रश्न: ऐसाके 'वालु एके' का पद क्या था, इससे पहले कि उन्हें टोंगा के प्रधान मंत्री के रूप में चुना गया?

A वित्त मंत्री

B रक्षा मंत्री

C शिक्षा मंत्री

D स्वास्थ्य मंत्री

QUIZ

Thank You

Result Mitra™

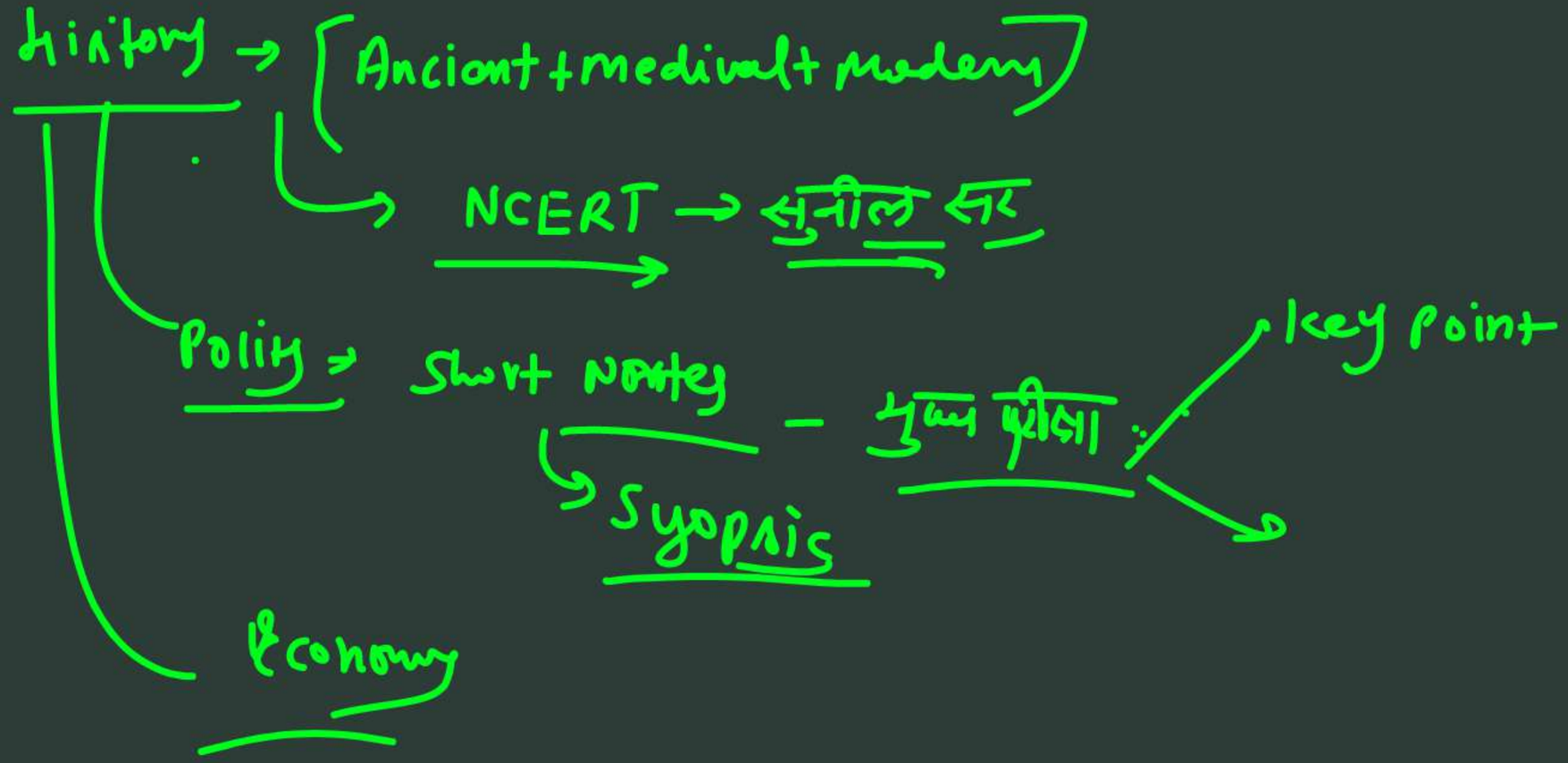

- History → [Anciont + medival + Modern]
  - → NCERT → सुनील सर
  - Polity → Short Notes — मुख्य परीक्षा → Key point
    - → Syopsis
  - Economy